कोइ तेरे खातीर - 'हीर'

(राग: कोइ तेरे खातीर है जी रहा)

वाणी ये प्रभुकी न भुलना, कोइ तेरे खातीर है मर रहा,
मुक्ति न हो तेरी, तब तक यहां, कोइ तेरे खातीर है मर रहा,
तेरी हंमेशा कद्र करे, तुजको हंमेशा जिंदा रखे,
तेरे लीअे वो शहीद हुआ,
वाणी ये प्रभुकी न भुलना, कोइ तेरे खातीर है मर रहा,
मुक्ति न हो तेरी, तब तक यहां, कोइ तेरे खातीर है मर रहा

जल और जमीं, वायु अग्नि, कण कणमें इनके जिंदगी,
वनस्पति ये जीव सभी, बचने करे नीत बंदगी,
तुं जो महोब्बत प्रभुसे करे, बंदे ये उसके तुझसे कहे,
क्युं हमको कुचले बन अजनबी,
वाणी ये प्रभुकी न भुलना, कोइ तेरे खातीर है मर रहा,
मुक्ति न हो तेरी, तब तक यहां, कोइ तेरे खातीर है मर रहा

देश-प्रेमी लोगोंने दी, निज प्राणोंकी आहुति,
मरके बचाये धर्मीजनोने, भारतकी ये संस्कृति,
अवतारोंकी ये भूमि सदा, अवतार फिर ना होगा यहां,
जो न जगेगा 'हीर' तेरा,
वाणी ये प्रभुकी न भुलना, कोइ तेरे खातीर है मर रहा,
मुक्ति न हो तेरी, तब तक यहां, कोइ तेरे खातीर है मर रहा

2016-05-01 - https://www.youtube.com/watch?v=9_EabGLPHqU&feature=youtu.be